नईदुनिया

भोपाल, 7 नवम्बर 2026

खास-खबरें

56 पैसे की मजबूती के साथ बंद हुई भारतीय मुद्रा

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्लीः घरेलू विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में आज भारतीय मुद्रा रुपये ने शुरुआती कमजोरी को पूरी तरह से धोते हुए जोरदार छलांग लगाई और पिछले बंद भाव के मुकाबले 56 पैसे की भारी-भरकम मजबूती के साथ 93.91 प्रति डॉलर के स्तर पर बंद हुआ। 12 अक्टूबर के बाद से यह रुपये में आई एक दिन की सबसे बड़ी तेजी है। आज के कारोबार में भारतीय करेंसी इंट्रा-डे में 93.82 रुपये प्रति डॉलर के स्तर को टच करके छह महीने के उच्चतम स्तर पर भी पहुंची। माना जा रहा है कि घरेलू शेयर बाजार में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की वापसी और अंतरराष्ट्रीय बाजार में क्रूड ऑयल की कीमत में आई नरमी के सपोर्ट से रुपया आज एशिया में सबसे बेहतरीन प्रदर्शन करने वाली मुद्रा बनकर उभरा। हालांकि, आज सुबह इंटर बैंक फॉरेन एक्सचेंज मार्केट में रुपये की शुरुआत गिरावट के साथ हुई थी। भारतीय मुद्रा डॉलर की तुलना में गुरुवार के बंद भाव 94.47 रुपये के मुकाबले मामूली कमजोरी के साथ 94.49 रुपये प्रति डॉलर के स्तर पर खुली थी।

पुराने मोबाइल की रफ्तार बढ़ाने के लिए अपनाएं ये पांच आसान तरीके

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्लीः पुराने स्मार्टफोन की गति धीमी होने और बैटरी जल्दी खत्म होने की समस्या से परेशान लोगों के लिए कुछ आसान उपाय उपयोगी हो सकते हैं। फोन की कुछ व्यवस्थाओं में बदलाव और अनावश्यक सामग्री हटाकर उसकी कार्यक्षमता बेहतर की जा सकती है। इसके लिए पांच जरूरी काम करने की सलाह दी गई है। सबसे पहले मोबाइल का संचालन तंत्र अद्यतन करना चाहिए। इसके लिए फोन की व्यवस्था में जाकर उपलब्ध नए संस्करण की जांच करें और अद्यतन करें। इससे फोन की कार्यक्षमता बेहतर बनाने में मदद मिल सकती है।

दूसरा जरूरी काम फोन की संग्रहण क्षमता को खाली रखना है। यदि मोबाइल की जगह पूरी भर जाती है, तो उसकी गति प्रभावित हो सकती है। ऐसे में अनावश्यक तस्वीरों और दूसरी गैरजरूरी सामग्री को समय-समय पर हटाते रहना चाहिए। तीसरा उपाय उन अनुप्रयोगों को हटाना है, जिनका लंबे समय से उपयोग नहीं किया जा रहा है। फोन में जरूरत से ज्यादा अनुप्रयोग होने पर उसकी गति धीमी हो सकती है। इसलिए केवल उपयोगी अनुप्रयोग ही रखें। चौथा काम फोन में जमा अस्थायी सामग्री यानी कैशे को हटाना है। इसके लिए मोबाइल की व्यवस्था में दिए गए विकल्प का उपयोग किया जा सकता है। अलग-अलग कंपनियों के फोन में इसे हटाने की प्रक्रिया अलग हो सकती है। पांचवां उपाय डाउनलोड वाले खंड की सफाई करना है। यहां जमा अनावश्यक सामग्री को हटा दें। जरूरी सामग्री को किसी अलग खंड में सुरक्षित रखा जा सकता है। इन पांच उपायों को अपनाकर पुराने स्मार्टफोन की गति और कामकाज में सुधार किया जा सकता है।

जॉनसनकैब इलेक्ट्रिकल्स की स्टॉक मार्केट में प्रीमियम लिस्टिंग मुनाफे में आईपीओ निवेशक

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्लीः इलेक्ट्रिकल केबल्स और वायर का उत्पादन करने वाली कंपनी जॉनसनकैब इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में प्रीमियम एंट्री कर अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 200 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 19.25 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 238.50 रुपये के स्तर पर हुई।

लिस्टिंग के बाद मुनाफा वसूली शुरू हो जाने के कारण यह शेयर फिसल कर 226.65 रुपये के स्तर तक गिर गया। हालांकि थोड़ी देर बाद ही खरीदारों ने लिवाली शुरू कर दी। लगातार हो रही लिवाली के सपोर्ट से यह शेयर उछल कर 240 रुपये के स्तर तक पहुंच गया। बाजार में लगातार जारी खरीद बिक्री के बीच दोपहर 12:15 बजे तक का कारोबार होने के बाद ये शेयर 238 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहा था। इस तरह अभी तक के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशकों को प्रति शेयर 38 रुपये यानी 19 प्रतिशत का फायदा हो गया है।

इस कंपनी का 56.02 करोड़ रुपये का आईपीओ 30 अक्टूबर से 3 नवंबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से अच्छा रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 23.82 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 20.19 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह एनआईआई के लिए रिजर्व पोर्शन में 42.27 गुना सब्सक्रिप्शन आया था।

सेंसेक्स 81 हजार के पार, सात दिन में 10.62 प्रतिशत की तेजी

1718 अंक उछलकर आठ महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंचा सेंसेक्स, विदेशी बाजारों में भारी गिरावट

नईदुनिया ब्यूरो, मुंबईः दुनिया के प्रमुख शेयर बाजारों में भारी गिरावट के बीच भारतीय शेयर बाजार में शुक्रवार को जबरदस्त तेजी देखने को मिली। बीएसई का सेंसेक्स 1718 अंक यानी 2.17 प्रतिशत उछलकर 81,028 के स्तर पर बंद हुआ।

आठ महीने बाद सेंसेक्स 80 हजार के पार पहुंचा है। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 494 अंक यानी 2.01 प्रतिशत की बढ़त के साथ 25,030 पर बंद हुआ। शेयर बाजार में तेजी का यह लगातार सातवां कारोबारी दिन रहा। 28 अक्टूबर को सेंसेक्स 73,246 के स्तर पर था, जो छह नवंबर को बढ़कर 81,028 पर पहुंच गया। इस दौरान इसमें 10.62 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई।

विदेशी निवेशकों की खरीदारी से बाजार को सहारा

बाजार में तेजी की प्रमुख वजह विदेशी संस्थागत निवेशकों की लगातार खरीदारी रही। पिछले सात कारोबारी दिनों में विदेशी निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार में 32,210 करोड़ रुपये का निवेश किया। इससे घरेलू बाजार को मजबूती मिली। वहीं, घरेलू संस्थागत निवेशकों ने इसी अवधि में 18,228 करोड़ रुपये के शेयरों की शुद्ध बिकवाली की।



कंपनियों के बेहतर परिणामों का असर

सितंबर तिमाही के बेहतर वित्तीय परिणामों से भी निवेशकों का भरोसा बढ़ा है। रिलायंस, इन्फोसिस और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज जैसी बड़ी कंपनियों के शेयरों में तेजी ने सेंसेक्स को ऊपर पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। प्रमुख कंपनियों के शेयरों में खरीदारी से बाजार में सकारात्मक माहौल बना रहा। भारतीय बाजार में तेजी के विपरीत दुनिया के कई प्रमुख बाजारों में भारी गिरावट दर्ज की गई। दक्षिण कोरिया का कोस्पी सूचकांक 6.02 प्रतिशत और जापान का निक्केई 5.96 प्रतिशत गिर गया। हांगकांग का हैंगसेंग सूचकांक भी 1.27 प्रतिशत नीचे रहा। अमेरिकी बाजारों में भी दबाव देखने को मिला। नैस्डैक में 5.52 प्रतिशत, एसएंडपी 500 में 4.36 प्रतिशत और डाउ जोंस में 3.44 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई।

एआई के कारोबार पर संकट के बादल, अमेरिका और चीन में कंपनियों के खरबों डॉलर दाँव पर

- भारी निवेश के बावजूद मुनाफे पर उठे सवाल
- अमेरिकी शेयर बाजार में बड़ी गिरावट से निवेशकों की चिंता बढ़ी
- चीन में भी प्रौद्योगिकी कंपनियों के शेयर टूटे

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्लीः जिस एआई को मानव इतिहास की सबसे बड़ी तकनीकी क्रांति बताया जा रहा था, अब उसी के कारोबार और निवेश को लेकर दुनिया के बड़े बाजारों में चिंता बढ़ने लगी है। अमेरिका और चीन में इस क्षेत्र से जुड़ी कंपनियों के शेयरों में भारी गिरावट ने निवेशकों को सोचने पर मजबूर कर दिया है। सवाल उठने लगा है कि एआई पर खरबों डॉलर का निवेश क्या वास्तव में उतना मुनाफा दे पाएगा, जितनी उम्मीद की जा रही है?

अमेरिका में प्रौद्योगिकी कंपनियों के शेयरों में आई गिरावट ने बाजार की चिंता बढ़ा दी है। पांच नवंबर को अमेरिकी नैस्डैक सूचकांक में लगभग 5.5 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। बड़ी कंपनियों के बाजार मूल्य में भी भारी कमी आई। निवेशकों की चिंता का प्रमुख कारण एआई के लिए विकसित किए जा रहे विशाल आंकड़ा केंद्रों पर होने वाला खर्च है। कंपनियां इन केंद्रों, संगणक उपकरणों, बिजली और अन्य आधारभूत सुविधाओं पर अरबों डॉलर लगा रही हैं, लेकिन इनसे होने वाली कमाई की गति को लेकर स्पष्टता नहीं है।



चीन में भी निवेशकों को लगा झटका

एआई के कारोबार में चीन की स्थिति भी चिंताजनक बताई जा रही है। वहां घरेलू एआई और संगणक उपकरण बनाने वाली कंपनियों के शेयरों में भारी गिरावट आई है। चीन के स्टार-50 सूचकांक में जुलाई के उच्चतम स्तर से लगभग 40 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई। इससे कंपनियों के बाजार मूल्य में करीब 480 अरब डॉलर की गिरावट आई है। कमजोर मांग, निर्यात संबंधी प्रतिबंध और कंपनियों के ऊंचे मूल्यांकन को इसकी प्रमुख वजह माना जा रहा है।

निवेश की तुलना में कमाई बड़ी चुनौती

इस पूरे संकट के पीछे सबसे बड़ा सवाल निवेश पर मिलने वाले प्रतिफल का है। बड़ी प्रौद्योगिकी कंपनियां कृत्रिम बुद्धिमत्ता के विकास और विस्तार के लिए लगातार खर्च बढ़ा रही हैं। इसके लिए कुछ कंपनियां ऋण का सहारा भी ले रही हैं। निवेशकों को आशंका है कि यदि इन परियोजनाओं से अपेक्षित आय नहीं हुई तो कंपनियों पर आर्थिक दबाव बढ़ सकता है। आंकड़ा केंद्रों के निर्माण में लगने वाली भारी पूंजी, बिजली की बढ़ती जरूरत और उपकरणों की लागत भी कंपनियों के सामने चुनौती बन रही है। इसके अलावा कई स्थानों पर स्थानीय समुदायों की ओर से आंकड़ा केंद्रों के निर्माण का विरोध किया जा रहा है। इससे परियोजनाओं में देरी और लागत बढ़ने की आशंका है।

क्या एआई का भविष्य खतरे में है?

विशेषज्ञों के बीच इस विषय पर अलग-अलग विचार हैं। कुछ का मानना है कि कंपनियों का वर्तमान मूल्यांकन उनकी वास्तविक कमाई की क्षमता से काफी आगे निकल गया है। वहीं, दूसरे विशेषज्ञों का मानना है कि एआई का उपयोग अभी शुरुआती चरण में है और भविष्य में इसके नए व्यावसायिक अवसर सामने आ सकते हैं। फिलहाल बाजार में आई गिरावट को इस तकनीक का अंत मानना जल्दबाजी होगी। हालांकि, कंपनियों को अब यह साबित करना होगा कि उनका भारी निवेश वास्तविक कमाई और टिकाऊ कारोबार में बदल सकता है। आने वाले समय में कृत्रिम बुद्धिमत्ता की सफलता केवल तकनीकी विकास से नहीं, बल्कि उससे होने वाले आर्थिक लाभ से भी तय होगी।

सरकार ने चावल बिक्री का लक्ष्य दोगुना किया, अब 50 लाख टन चावल बाजार में उतारेगी

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्लीः केंद्र सरकार ने देश में चावल की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने और कीमतों पर नियंत्रण रखने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। सरकार ने वर्ष 2026-27 के लिए खुला बाजार बिक्री योजना के तहत चावल बेचने का लक्ष्य 25 लाख टन से बढ़ाकर 50 लाख टन कर दिया है। इसके तहत 31 अक्टूबर 2026 तक ई-नीलामी के माध्यम से 25 लाख टन चावल निजी कारोबारियों को बेचा जा चुका है।

सरकार का उद्देश्य बाजार में चावल की आपूर्ति बढ़ाना, कीमतों में स्थिरता बनाए रखना और जमाखोरी रोकना है। इसके लिए छह नवंबर को जारी आदेश के अनुसार देशभर के चावल और धान का भंडार रखने वाले व्यापारियों, थोक विक्रेताओं, खुदरा कारोबारियों, बड़ी खुदरा श्रृंखलाओं और चावल मिल संचालकों को अपने भंडार की जानकारी देना अनिवार्य कर दिया गया है। सभी संबंधित इकाइयों को अपने भंडार का विवरण प्रत्येक शुक्रवार को खाद्य भंडार पोर्टल पर अद्यतन करना होगा। इसमें बासमती, गैर-बासमती प्रीमियम, सामान्य गैर-बासमती, उबला हुआ चावल, टूटे चावल और धान की अलग-अलग जानकारी देनी होगी। सरकार ने स्पष्ट किया है कि भंडार संबंधी जानकारी सही और नियमित रूप से अद्यतन होनी चाहिए। पोर्टल पर पंजीकरण नहीं कराने या निर्धारित भंडारण सीमा का उल्लंघन करने वाली इकाइयों के विरुद्ध आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धाराओं के तहत कार्रवाई की जाएगी।

दक्षिण के पांच राज्यों में भंडारण सीमा की अनुमति

चावल की उपलब्धता बढ़ाने और कीमतों को नियंत्रित रखने के लिए केंद्र सरकार ने आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु और तेलंगाना को आवश्यकता के अनुसार चावल और धान पर भंडारण सीमा लागू करने की सहमति दी है। राज्य सरकारें अपने नियंत्रण आदेशों के माध्यम से यह व्यवस्था लागू कर सकेंगी। यह सीमा 31 जनवरी 2027 तक प्रभावी रहेगी।

तेलंगाना की 12,769 ग्राम पंचायतों तक पहुंचेगा तेज इंटरनेट, 3,189 रुपये मंजूर

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्लीः तेलंगाना के ग्रामीण क्षेत्रों में इंटरनेट सुविधा का विस्तार करने और डिजिटल आधारभूत ढांचे को मजबूत बनाने के लिए केंद्र सरकार ने महत्वपूर्ण पहल की है। दूरसंचार विभाग के अंतर्गत डिजिटल भारत निधि ने तेलंगाना में संशोधित भारतनेट कार्यक्रम लागू करने के लिए राज्य सरकार सहित पांच अन्य संस्थाओं के साथ समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इस परियोजना के लिए केंद्र सरकार ने 3,189 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता स्वीकृत की है।

नई दिल्ली स्थित संचार भवन में हुए समझौते पर डिजिटल भारत निधि, दूरसंचार विभाग, तेलंगाना सरकार, तेलंगाना ग्रामीण इंटरनेट आधारभूत संरचना निगम, भारत संचार निगम लिमिटेड और तेलंगाना फाइबर ग्रिड निगम के प्रतिनिधियों ने हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर डिजिटल भारत निधि के प्रशासक श्यामल मिश्रा सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

इस कार्यक्रम के अंतर्गत तेलंगाना की कुल 12,769 ग्राम पंचायतों को शामिल किया जाएगा। इनमें पहले चरण की 1,946 ग्राम पंचायतों में मौजूदा नेटवर्क को रैखिक व्यवस्था से चक्राकार व्यवस्था में बदला जाएगा, जिससे इंटरनेट संपर्क अधिक मजबूत और विश्वसनीय हो सकेगा। दूसरे चरण की 10,787 ग्राम पंचायतों को भी इस योजना से जोड़ा जाएगा। इसके अलावा नवगठित 36 ग्राम पंचायतों को भी शामिल किया जाएगा। परियोजना का क्रियान्वयन तेलंगाना ग्रामीण इंटरनेट आधारभूत संरचना निगम के माध्यम से किया जाएगा। केंद्र सरकार की वित्तीय सहायता से ग्रामीण क्षेत्रों में लगभग तीन लाख घरों तक प्रकाशीय तंतु आधारित इंटरनेट संपर्क पहुंचाने में मदद मिलेगी।



- संशोधित भारतनेट कार्यक्रम के लिए छह संस्थाओं के बीच हुआ समझौता
- ग्रामीण क्षेत्रों के करीब तीन लाख घरों को मिलेंगे फाइबर संपर्क

इस योजना से ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में डिजिटल सेवाओं की उपलब्धता बेहतर होगी। इसके माध्यम से ग्रामीण नागरिकों को ई-शासन, ऑनलाइन शिक्षा, दूरस्थ चिकित्सा परामर्श, डिजिटल भुगतान और अन्य नागरिक सुविधाओं का लाभ मिल सकेगा। इस परियोजना का उद्देश्य ग्राम पंचायतों और गांवों तक मजबूत तथा भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप इंटरनेट संपर्क उपलब्ध कराना है। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल सुविधाओं का विस्तार होगा और लोगों को सरकारी सेवाओं तक पहुंचने में आसानी होगी। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 4 अगस्त 2023 को संशोधित भारतनेट कार्यक्रम को मंजूरी दी थी। इसके तहत पहले से मौजूद नेटवर्क का उन्नयन, सुदृढ़ीकरण और विस्तार किया जाना है। इस समझौते से तेलंगाना में परियोजना के क्रियान्वयन को गति मिलने की उम्मीद है। डिजिटल भारत निधि का गठन दूरसंचार सेवाओं की सार्वभौमिक उपलब्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से किया गया है।

बैटरी से चलने वाले प्रकाश उत्सर्जक दीपों से करें घर की सजावट

हवा से भी नहीं बुझेगा दीपावली का दीया, 300 रुपये से कम में मिल रहा 18 दीपों का समूह

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्लीः दीपावली पर घरों को दीपों से सजाने की परंपरा है। इस अवसर पर लोग मिट्टी के दीपक, रंगीन रोशनी और आकर्षक सजावटी सामग्री खरीदते हैं। हालांकि, तेज हवा के कारण खुले स्थानों पर जलाए गए दीपक कई बार बुझ जाते हैं। ऐसे में बैटरी से चलने वाले प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एलईडी) दीपक सजावट का एक विकल्प बनकर सामने आए हैं।

बाजार में ऐसे कृत्रिम दीपों के 18 नग वाले समूह उपलब्ध हैं, जिनकी कीमत 300 रुपये से कम बताई जा रही है। इन दीपों की खासियत यह है कि इन्हें जलाने के लिए तेल, घी या बाती की आवश्यकता नहीं होती। ये बैटरी से संचालित होते हैं और इनमें लगी रोशनी दीपक की लौ जैसा आभास देती है।

हवा और पानी से बुझने की चिंता नहीं

पारंपरिक मिट्टी के दीपकों में तेल या घी डालकर बाती जलानी पड़ती है। तेज हवा चलने पर इनकी लौ बुझ सकती है। वहीं, बैटरी से चलने वाले कृत्रिम दीपों में ऐसी परेशानी नहीं होती। इन्हें घर के अंदर, खिड़कियों, दरवाजों और सजावट के अन्य स्थानों पर रखा जा सकता है। इनका उपयोग उन स्थानों पर भी किया जा सकता है, जहां वास्तविक लौ जलाना सुविधाजनक नहीं होता। बच्चों और पालतू पशुओं की पहुंच वाले स्थानों पर भी वास्तविक आग के विकल्प के रूप में इनका उपयोग किया जा सकता है।

सजावट के लिए कई स्थानों पर उपयोग

इन कृत्रिम दीपों को पूजा स्थल, रंगोली के आसपास, घर के प्रवेश द्वार और खिड़कियों पर सजाया जा सकता है। छोटे आकार के कारण इन्हें एक स्थान से दूसरे स्थान पर आसानी से रखा जा सकता है। 18 दीपों का समूह एक साथ सजावट करने में उपयोगी हो सकता है।

कम कीमत में सजावट का विकल्प

300 रुपये से कम कीमत में मिलने वाला 18 दीपों का समूह दीपावली की सजावट के लिए किफायती विकल्प माना जा रहा है। इसमें बैटरी से संचालित होने के कारण बार-बार तेल भरने और बाती बदलने की जरूरत नहीं पड़ती। हालांकि, खरीदारी से पहले बैटरी की उपलब्धता, उसकी क्षमता और उत्पाद की गुणवत्ता की जानकारी लेना जरूरी है।

सौर ऊर्जा संयंत्र लगाने के लिए वित्त सेवा विभाग को 'पीएम सूर्य घर उत्कृष्टता पुरस्कार'

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्लीः सरकारी भवनों में सौर ऊर्जा संयंत्र लगाने में अग्रणी भूमिका निभाने के लिए वित्तीय सेवा विभाग (डीएफएस) को 'पीएम सूर्य घर उत्कृष्टता पुरस्कार' से सम्मानित किया गया। नई दिल्ली के भारत मंडपम में 'नवीकरणीय ऊर्जा सम्मेलन एवं प्रदर्शनी में उप राष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने यह पुरस्कार प्रदान किया।

दीपावली से पहले हीरो का तोहफा, 1.16 लाख रुपये में उतारी नई स्पोर्टी बाइक

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्लीः दीपावली से पहले दोपहिया वाहन निर्माता कंपनी हीरो मोटोकॉर्प ने भारतीय बाजार में अपनी नई मोटरसाइकिल एक्सट्रीम 125आर स्टील्थ संस्करण प्रस्तुत की है। इसकी प्रदर्शनी कक्ष कीमत 1,16,250 रुपये रखी गई है। कंपनी ने इस नए संस्करण में आकर्षक रूप-सज्जा के साथ कई आधुनिक तकनीकी और सुरक्षा सुविधाएं दी हैं। यह मोटरसाइकिल देशभर की कंपनी की विक्रय एजेंसियों पर उपलब्ध है।

- एक्सट्रीम 125आर स्टील्थ संस्करण में 4.2 इंच की रंगीन स्क्रीन
- टायर वायु-दाब निगरानी प्रणाली और कई आधुनिक सुविधाएं

4.2 इंच की रंगीन स्क्रीन से लैस

नई मोटरसाइकिल का सबसे बड़ा आकर्षण इसकी 4.2 इंच की रंगीन डिजिटल स्क्रीन है। इसमें ब्लूटूथ संपर्क सुविधा दी गई है। इसके माध्यम से चालक को रास्ते की दिशा संबंधी जानकारी, फोन आने की सूचना, संदेश और संगीत नियंत्रण की सुविधा मिलेगी। इससे वाहन चलाते समय आवश्यक जानकारियां स्क्रीन पर देखी जा सकेंगी।

टायर के वायु-दाब की मिलेगी जानकारी

इस मोटरसाइकिल में टायर वायु-दाब निगरानी प्रणाली भी दी गई है। इसके माध्यम से चालक को टायरों में हवा के दबाव की वास्तविक समय में जानकारी मिल सकेगी। दबाव कम होने पर यह प्रणाली चेतावनी भी देगी। कंपनी के अनुसार, स्पोर्टी 125 सीसी मोटरसाइकिल श्रेणी में यह सुविधा पहली बार दी गई है। मोटरसाइकिल में दोहरे चैनल वाली एंटी-लॉक ब्रेकिंग प्रणाली दी गई है। इसके अलावा वर्षा, सामान्य सड़क और खेल जैसे तीन संचालन विकल्प उपलब्ध हैं। लंबी दूरी की यात्रा को सुविधाजनक बनाने के लिए इसमें गति नियंत्रण की सुविधा भी दी गई है। नई मोटरसाइकिल में पहले वाला 124.7 सीसी का वायु शीतलन इंजन दिया गया है। यह इंजन 11.4 अश्वशक्ति की अधिकतम क्षमता और 10.5 न्यूटन मीटर का अधिकतम बल उत्पन्न करता है। इसमें पांच गति वाला गियर संयोजन दिया गया है।

स्पेशल खबर भारत और हंगरी के बीच व्यापार और प्रौद्योगिकी सहयोग बढ़ाने की पहल ...

सौ से अधिक व्यापार प्रतिनिधियों ने संगोष्ठी में लिया हिस्सा

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्लीः वाणिज्य एवं उद्योग तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने भारत और हंगरी के बीच व्यापार, निवेश और प्रौद्योगिकी सहयोग को मजबूत करने के उद्देश्य से 4 से 6 नवंबर तक हंगरी की यात्रा की। इस दौरान उन्होंने हंगरी के वरिष्ठ नेताओं, मंत्रियों, उद्योग प्रतिनिधियों और व्यापारिक संगठनों के साथ कई महत्वपूर्ण बैठकें कीं। यात्रा का उद्देश्य दोनों देशों के बीच आर्थिक, औद्योगिक और तकनीकी साझेदारी को नई गति देना रहा।

यात्रा के दौरान जितिन प्रसाद ने हंगरी की राष्ट्रीय संसद के उपाध्यक्ष से मुलाकात की। इस दौरान दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने और भारत-यूरोपीय संघ के व्यापक सहयोग के संदर्भ में नए अवसरों पर चर्चा हुई। उन्होंने हंगरी के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री के साथ भी बैठक की। इसमें उभरती प्रौद्योगिकियों, अनुसंधान, नवाचार और दोनों देशों के औद्योगिक संस्थानों के बीच सहयोग बढ़ाने पर विचार-विमर्श किया गया। जितिन प्रसाद ने हंगरी के कृषि एवं जीवन विज्ञान विश्वविद्यालय का दौरा किया। यहां कृषि अनुसंधान, कृषि प्रौद्योगिकी, नवाचार और टिकाऊ कृषि पद्धतियों में सहयोग की संभावनाओं पर चर्चा की गई। उन्होंने हंगरी की प्रमुख औषधि कंपनी गेडियन रिक्टर का भी दौरा किया। कंपनी की भारत में भी विनिर्माण उपस्थिति है। इस दौरान औषधि निर्माण, अनुसंधान, विकास और स्वास्थ्य देखभाल प्रौद्योगिकी में दोनों देशों के बीच सहयोग बढ़ाने के अवसरों पर चर्चा हुई।



बुडापेस्ट में व्यापार संगोष्ठी को किया संबोधित

पांच नवंबर को बुडापेस्ट में आयोजित भारत-हंगरी व्यापार संगोष्ठी में 100 से अधिक व्यापार प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। जितिन प्रसाद ने भारतीय और हंगरी की कंपनियों से नए व्यावसायिक अवसर तलाशने, मजबूत साझेदारियां बनाने और औद्योगिक सहयोग बढ़ाने का आह्वान किया।

निर्माण और कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर जोर

यात्रा के दौरान राज्य मंत्री ने हंगरी में फॉक्सकॉन की विनिर्माण इकाई का भी दौरा किया। यहां उन्नत आंकड़ा केंद्रों के उपकरण, संचार उपकरण और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित संगणक सर्वर तैयार किए जाते हैं। इस दौरान इलेक्ट्रॉनिक्स निर्माण, डिजिटल आधारभूत संरचना और मजबूत आपूर्ति श्रृंखला विकसित करने में सहयोग की संभावनाओं पर चर्चा हुई। जितिन प्रसाद ने बुडापेस्ट स्थित अमृता शेरगिल सांस्कृतिक केंद्र में भारतीय समुदाय के सदस्यों से भी बातचीत की। उन्होंने भारत और हंगरी के संबंधों को मजबूत बनाने में प्रवासी भारतीयों के योगदान की सराहना की। इस यात्रा के दौरान भारतीय व्यापार प्रतिनिधिमंडल ने हंगरी के वाणिज्य एवं उद्योग मंडल, निर्यात संवर्धन एजेंसी और निवेश संवर्धन एजेंसी के प्रतिनिधियों के साथ भी चर्चा की। यात्रा से दोनों देशों के बीच व्यापार, निवेश, नवाचार और औद्योगिक विकास में सहयोग बढ़ाने की प्रतिबद्धता दोहराई गई।